शहर की बसावट में भी सस्टेनेबिलिटी जरूरी है

CONFERENCE....

'सस्टेनेबल टूरिज्म क्राइटेरिया फॉर इंडिया' पर वर्कशॉप का समापन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म भारत सरकार की ओर से एक होटल में 'सस्टेनेबल टूरिज्म क्राइटेरिया फॉर इंडिया' विषय पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप का बुधवार को समापन हुआ। वर्कशॉप के आखिरी दिन सस्टेनेबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए सरकार की बनाई गाइडलाइन के सर्टिफिकेशन के बारे में बताया गया। सर्टिफिकेशन एक्सपर्ट तरुणा सिंह ने गाइडलाइन के इम्प्लीमेंट और प्रोसेस की जानकारी दी। इस दौरान बायोडायवर्सिटी कंसल्टेंट अनिरूद्ध ने इको टूरिज्म सस्टेनेबिलिटी के बारे में कहा कि हम जब जंगल में घूमने जाते हैं तो शेर, चीते जैसे बड़े जानवरों को देखना चाहते हैं, जबकि छोटे जानवर और पक्षियों की ओर कम ध्यान देते हैं। ऐसे में हमेशा बड़े जानवरों की अपेक्षा जंगल की बाकी सम्पदा की ओर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने प्रजेंटेशन के

दौरान प्रोजेक्ट के माध्यम से कई तरह की चिड़ियाओं को ऑडियंस से रूबरू करवाया।

हैरिटेज को संभाला जाए...

'कार्बन मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी' पर एक्सपर्ट श्रीराम कुचिमांची ने कहा कि एलेनेट पिलर के मुख्य तत्व एन्वायर्नमेंट में कार्बन की अहम भूमिका है। उन्होंने कार्बन फुटप्रिंट और कार्बन को कैसे नापते हैं, के बारे में जानकारी दी। अर्किटेक्ट अनूप बरतिया ने बताया कि न केवल बिल्डिंग बनाने, बल्कि शहर की बसावट में भी सस्टेनेबिलिटी जरूरी है। निखिल पंडित ने कहा कि टूरिज्म सस्टेनेबिलिटी के लिए हमारी विरासत को संभालना जरूरी है। इको टूरिज्म सोसायटी ऑफ इंडिया की प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. अंजुना धीर ने उपस्थित लोगों को सेफ एंड ऑनरेबल टूरिज्म की शपथ दिलवाते हुए अपनी धरोहर और कल्चर को बचाने की बात कही। इस दौरान होटेलियर्स, टूर ऑपरेटर्स, वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स, टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े स्टूडेंट्स और फैकल्टी मौजूद रहे।

जयपुर कला चौपाल में वॉटर पॉल्यूशन पर हुआ सेशन

जल प्रदूषण को रोका जाए

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

'तू मेरे...' का पोस्टर लॉन्च

आरएएस में शहर के होनहार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● जगतपुरा दादू कॉलोनी निवासी रुद्रप्रकाश शर्मा की आरएएस-